

# कक्षा 12 – [हिंदी]

पद्यांश पहचानने की अचूक ट्रिक

सामान्य + साहित्यिक हिंदी

---

## प्रेम माधुरी (भारतेन्दु हरिश्चंद्र)

- सवैया छंद होगा
- 'हरिचन्द्र' शब्द अवश्य लिखा होगा।

### यमुना छवि

- तरनि तनूजा... जमुना, कालिंदी, कलहंस, चंद्र निसिपति, राका- निशि आदि का वर्णन होगा।
- मनु, मानहु, जनु, जानहु, कै, आदि उत्प्रेक्षा अलंकार के पहचान वाले शब्द प्रयुक्त होंगे।

## उद्धव प्रसंग- जगन्नाथदास रत्नाकर

- उद्धव प्रसंग में उद्धव/ ऊधौ / रत्नाकर- शब्द जरूर होगा।

### गंगावतरण-

- रोला छंद होगा।
- कमण्डल, धार वेग, सगर, धावा, स्वाति घटा, मोतिन की झालर, हरहराति सम्भु, चकित भई, हर रूप मनोहर, गंगा, जटाजूट आदि शब्द होंगे।

## पवन दूतिका- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध

- खिन्ना,
- श्याम, श्यामता, जलद तन, कंज से नेत्रवाले, कम्बु सा कण्ठ, कमल पग, मेघ सी कांति वाले।
- कुंजे, वृन्दाविपिन, क्लान्त, क्लान्तिया, लज्जाशीला, पथिक महिला, कमल मुख, कृषक ललना भूतांगना।
- मथुरा या मथुरा धाम, ब्रज, विरह विधुरा, उपवन, वाटिका।
- नीप का पुष्प, मलिन लतिका, पीला होना, प्यारे के पाव की धूलि।

## कैकेई का अनुताप- मैथिलीशरण गुप्त

- उटज , सभा
- भरतभद्र, कैकेई , मैया , अबलाजन, आर्य, जननी।
- मंथरा, त्रैलोक्य, वात्सल्य, माता कुमाता,
- प्रभु, राम, दशरथ, रघुकुल, हा! लाल,
- कुलिस कठोर कलेजा, दुगने प्यारे , भ्राताओं का प्रेम, पंकिला, ज्ञानीजन,  
बेटा॥
- शिशिर , खंजन, यही आता है मन में , मुझे फूल मत मारो ॥

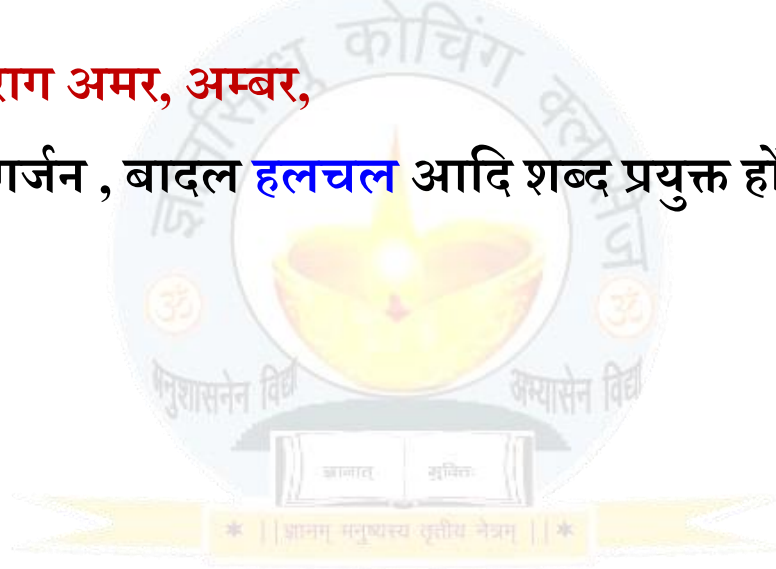
गीत

## श्रद्धा मनु - जयशंकर प्रसाद

- कौन हो तुम? मनु या श्रद्धा, प्रथम कवि का छंद, झटका लगा।
- कुतूहल , इंद्रजाल, मधु पवन, गांधार देश , नील परिधान, घनश्याम, नील घन शावक।
- कोकिल ,चपला, पतझड़, ललित कला, हिमगिरी, शैलमाला , बलि का अन्न, उच्छवास, आगंतुक, अवसाद, प्रकृति के यौवन, तपस्वी, यजन करते, संस्कृति, शक्तिशाली। ,शक्ति के विद्युत्कण,
- अमृत संतान , विधाता ज्वालामुखियां, मानवता, द्वीप, कच्छप।

## बादल राग – निराला

- गरज -गरज , राग अमर, अम्बर,
- भैरव संसार , गर्जन , बादल हलचल आदि शब्द प्रयुक्त होंगे।



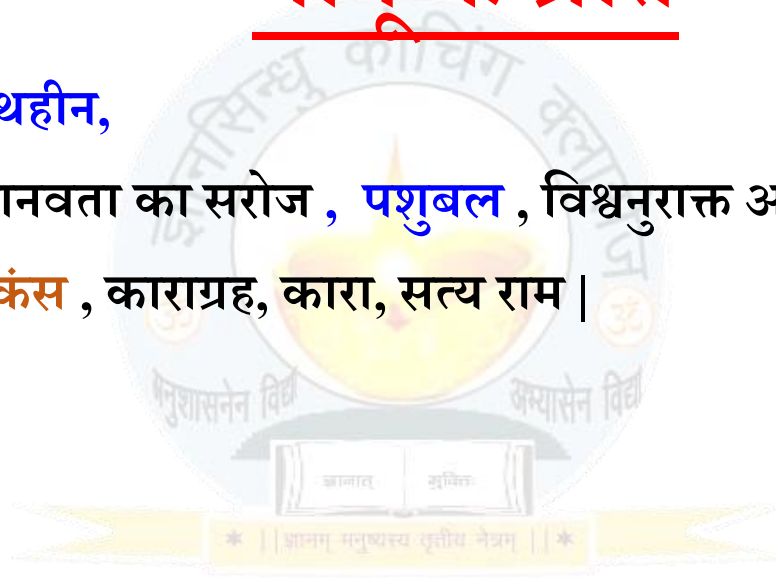
## नौका विहार – पन्त

- तापस बाला गंगा,
- लहर , सीपी, सिकता सैकत (बालू)
- नौका, हिलोर, पाल , जल, कालाकांकर का राजभवन।
- तारक दल, शुक्र, घूँघटा।
- चपला बीच धार, दो बाहें, क्षितिज।
- शिशु द्वीप, रश्मियाँ, शशि , उडु, प्रवाह।
- धारा सा ही जग का क्रम।



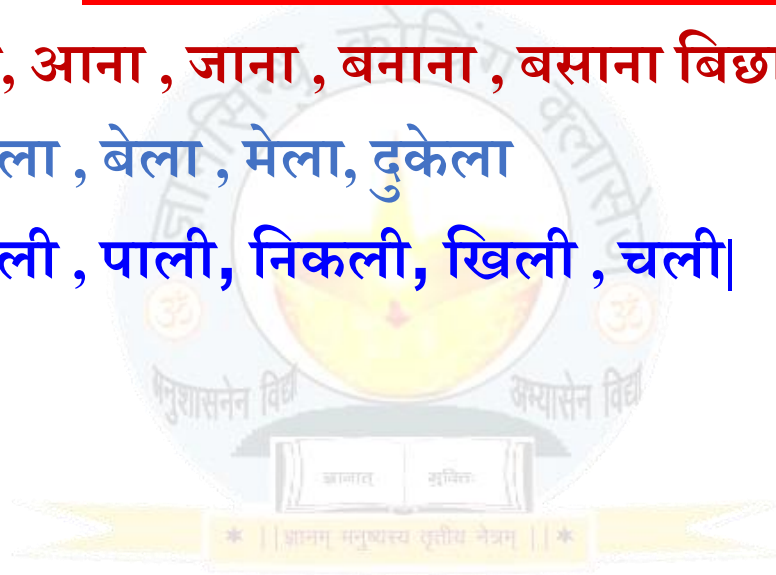
# बाप के प्रति

- मांसहीन अस्थिहीन,
- सत्य खोज, मानवता का सरोज , पशुबल , विश्वनुराक्त अनासक्त , चरखे, खद्वरा
- साम्राज्यवाद कंस , काराग्रह, कारा, सत्य राम |



## गीत – 1, 2, 3 (महदेवी वर्मा)

1. बाना , जाना , आना , जाना , बनाना , बसाना बिछाना।
2. अकेला , खेला , बेला , मेला, दुकेला
3. बदली , मचली , पाली, निकली, खिली , चली।



# अभिनव मनुष्य – दिनकर

- नर, मानव, पुरुष, मानवों, मनुज, नर प्रज्ञा,
- धरा, ब्रह्मांड , व्योम पाताल, ज्ञान विज्ञान ,
- भीष्म युधिष्ठिर, विचित्र दुनिया , धरित्री, प्रकृति ,
- भूमिमंडल, पोथी , इतिहास , शिखा, उद्दाम,
- विज्ञान तलवार.

## मैंने आहुति बनाकर देखा- अज्ञेय

- मैं कब कहता हूँ – बार बार आया है।
- जनपद की धूल, मेरा जीवन ललकार बने, प्यार बने।

## हिरोशिमा

धूप बरसी , सूरज , सूर्य ,दसो दिशा, छायाएं मानव की ,जली हुई छाया ।

Gyansindhu Coaching Classes

Join – Whatsapp Channel By Link

Subscribe for Live Class

